एक नजर में

सच्ची सेवा वही है जो जरूरतमंद को समय पर उपलब्ध हो जाए

करडावद। सच्ची सेवा वही है जो जरूरतमंद को समय पर उपलब्ध हो जाए। कई संस्थान अभावो में सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। ऐसे में सामाजिक संस्थाओं का उन्हें सहयोग करना निश्चित ही साधुवाद का पात्र है। यह बातें एसडीएम आईएएस सुश्री तनुश्री मीणा ने कहीं। आप कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी। लायंस क्लब पेटलावद सेंट्रल ने स्व. श्रीमती गोविंद कुंवर डाबड़ी की स्मृति में छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं की सुविधा के लिए 20 पलंग सेट भेंट किए। एसडीएम सुश्री मीणा ने कहा लायंस जैसी सामाजिक संस्थाएं इस प्रकार आगे होकर कार्य करती रहेगी तो यह निश्चित है कि वास्तविक जरूरतमंदों को उनकी जरूरत की वस्तु पहुँचती रहेगी। स्वागत भाषण अध्यक्ष गजेंद्र काग ने दिया। झोंन चेयरमेन निलेश पालीवाल, विशेष अतिथि प्रबोध मोदी ने क्लब की सेवा गतिविधियों का उल्लेख करते हुए प्रशासन से कंधे से कंधा मिलाकर हर जरूरतमंद की सहायता का भरोसा दिलाया। प्राचार्य श्रीमती रेखा राव, मोहन सोलंकी, लायन हेमेंद्रसिंह डाबड़ी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। ध्वज वंदना कोषाध्यक्ष दिलीप राठौड़ ने प्रस्तुत की। संचालन सचिव विकास चौहान ने किया। आभार अधीक्षिका अंजुम खान ने माना। पौधारोपण भी किया-एसडीएम सुश्री मीणा के साथ अतिथियों ने छात्रावास परिसर में नीम, पीपल,बादाम के साथ फल और फूलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर दीपेश छजलानी, रजनीकांत शुक्ला, निलेश भट्ट, हरिओम पाटीदार, नरेंद्र चतुर्वेदी, पंकज जे पटवा, अनुराग गौड, हेमेंद्रसिंह डाबड़ी, रोहित पाटीदार मौजूद रहे

धार में 22 को भील महासंघ की बैठक

झाबुआ। भील महासंघ मप्र की महत्वपूर्ण बैठक 22 अगस्त को धार में होने जा रही है। इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों के साथ भील समाज के भविष्य और संगठन की नई रणनीति पर चर्चा होगी। बैठक का मुख्य एजेंडा प्रदेश के भील बाहुल ज़िलों में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति करना है। भील महासंघ के मप्र अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद गुमानसिंह डामोर की अध्यक्षता में होने वाली उक्त बैठक में तय किया जाएगा कि किन योग्य और समर्पित व्यक्तियों को संगठन की ज़िम्मेदारी सौंपी जाए। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डामोर ने बताया कि बैठक का मकसद संगठन को जमीनी स्तर पर और मज़बूत बनाना है। उन्होंने कहा कि नई नियुक्तियों से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा और महासंघ समाज के हितों और कल्याण के लिए और भी प्रभावी ढंग से काम कर पाएगा। इस अवसर पर झाबुआ जिले से भी भील महासंघ के पदाधिकारी एवं समाज के वरिष्ठजन सहभागिता करेंगे। उक्त आयोजन को भील समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योकि बैठक के माध्यम से प्रत्येक ज़िले की जरूरतों के मुताबित उपयुक्त नेतृत्व का चयन किया जाएगा।

परमार का निधन, दी श्रद्धांजलि

झाबुआ। शहर के वरिष्ठ नागरिक मांगीलाल परमार का 56 वर्ष की आयु में 20 अगस्त की सुबह ह्रदयघात से निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। उनका बड़ौदा (गुजरात) में उपचार चल रहा था। इसी बीच बुधवार तड़के सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर दाहोद उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में उनका निधन हो गया। परमार सामाजिक कार्यों से जुड़े होकर मिलनसार प्रवृत्ति के थे। अंतिम यात्रा निवास स्थान पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी से दोपहर 3 बजे निकाली गई। अंतिम संस्कार गैल स्थित मुक्तिधाम पर किया गया। जहां मुखाग्नि पुत्र चंदन परमार ने दी। परमार के निधन पर शहर के गणमान्यजनों, समाजजनों आदि ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पंडित नागर जगा रहे धर्म और आध्यात्म का अलख

पारा। धर्म और आध्यात्म के क्षेत्र में जन जागरण और मानव मात्र के कल्याण के लिए समर्पित सेमलीधाम शाजापुर के प्रसिद्ध संत और कथा वाचक पं. कमल किशोर नागर के प्रपोत्र गोविंद नागर द्वारा मंगलवार को आपने अल्प प्रवास के दौरान ग्राम झुमका में एक धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिनका साथ कलयुग में कोई नहीं देता उनका साथ श्री कृष्ण देते है। 12 वर्षीय पं. गोविंद नागर सेमलीधाम स्थित नागर परिवार की तीसरी पीढ़ी है, जो सनातन संस्कृति धर्म जागरण का कार्य कर रही है। पं. गोविन्द नागर भी समूचे आदिवासी अंचल में धर्म और आध्यात्म का अलख जगाने निकले है। गोविंद गांव-गांव में पहुंचकर धर्म सभा को संबोधित करते हुए धर्म और आध्यात्म का प्रकाश फैला रहे है। पं. नागर ने ग्राम झुमका के एक निजी स्कुल में बच्चों और धर्म प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा की कलयुग में भगवान श्री राम और श्रीकृष्ण भक्ति से बढ़ कर कोई भक्ति नहीं है। कलयुग में जिनका कोई साथ नहीं देता उनका साथ भगवान श्रीकृष्ण देते है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सदकर्म करते हुए राम कृष्ण की भक्ति के भजन करना चाहिए और अभक्ष मांस, मदिरा का त्याग कर, शुद्ध सात्विक भोजन करना चाहिए। कलयुग मन मति भृष्ट करता है। मनुष्य को भटकाता है इसलिए आपने मन को एकाग्रचित करने के लिए भगवान का भजन करना चाहिए। इससे पूर्व पारा पहुंचने पर पं. गोविन्द नागर का धर्म प्रेमी जनता ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी जनता उपस्थित थी।

राष्ट्रीय रक्तदान-महादान शिविर का आयोजन 24 को

झाबुआ। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्य स्मृति दिवस एवं विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर समाजसेवा प्रभाग (आरईआरएफ) एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारिज ईश्वरीय विश्वविद्यालय झाबुआ के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 24 अगस्त को सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक शिव स्मृति भवन, ब्रह्माकुमारिज संस्था गोपालपुरा पर राष्ट्रीय रक्तदान-महादान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बीके ज्योति दीदी ने बताया कि यह महाशिविर राजयोगिनी ब्रम्हकुमारी जयंती दीदी के मार्गदर्शन में होगा।

तेज रफ्तार मोटर साइकिल चालक ने दूसरी बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

झाबुआ। शहर के मेघनगर नाके पर एक मोटर साईकिल चालक को दुसरी बाईक के चालक ने तेज रफ्तार से लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पीछे से जोरदार टक्कर मारी। जिससे आगे जा रहे मोटर साईकिल चालक का संतुलन बिगड़ने से वह गिर गया जिससे सिर में गंभीर चोटे आई। ऑटो रिक्शा से गंभीर घायल युवक को जिला चिकित्सालय ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इस घटना में मृतक के परिजनों की और से पुलिस थाने पर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शहर के समीपस्थ ग्राम बाड़कुआं निवासी भगत समाज के युवक सुखराम पिता पीदिया भूरिया 34 वर्ष अपने घर से हीरो होंडा स्पलेंडर मोटर साईकिल क्रमांक एमपी-45-7717 से झाबुआ बाजार में पूजन की सामग्री खरीदी के लिए निकला था। मेघनगर नाके पर पेट्रोल भरवाने के लिए गाड़ी मोड़ते समय पीछे से तेज रफ्तार से आ रही दूसरी मोटर साईकिल क्रमांक एमपी-45-जेडएच-1417 के चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज वाहन चलाते हुए

जोरदार टक्कर मारी। जिससे सुखराम का वाहन से संतुलन बिगड़ने से नीचे गिरने पर सिर में गंभीर चोट पहुंची। दुर्घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। गंभीर घायल युवक को ऑटो रिक्शा से जिला चिकित्सालय लाते समय रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। वहीं आरोपी बाईक चालक वाहन को छोड़कर फरार हो गया। आरोपी वाहन चालक के पीछे एक अन्य ग्राम माकनकुई निवासी ग्रामीण को भी चोट आने पर जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार पश्चात् दाहोद के लिए रेफर किया।

आरोपी पर सख्त कार्रवाई की मांग दुर्घटना के बाद मृतक के परिजनों में घोर विलाप छा गया। वहीं ग्राम बाड़कुआं के ग्रामीणों की भारी भीड़ भी जिला चिकित्सालय परिसर में जमा हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि सुखराम भूरिया विवाहित होकर उसके 4 बच्चें है एवं घर में कमाने वाला वह अकेला था। पिता वृद्ध होकर असहाय है। मृतक के परिजनों ने घटना की रिपोर्ट पुलिस थाने पर दर्ज करवाते हुए आरोपी बाईक चालक पर सख्ती से कार्रवाई की मांग की है। साथ ही जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता हेतु भी गुहार लगाई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इनका कहना है

दुर्घटना में मृतक सुखराम भूरिया के परिजनों की और से पुलिस थाने पर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। आरोपी मोटर साईकिल चालक की तलाश जारी है। फिलहाल मामला जांच में है।

- आरसी भास्करे, थाना प्रभारी, पुलिस कोतवाली झाबुआ

मिट्टी के सिद्ध गणेश प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ

मेघनगर. प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी गणेश महोत्सव घुम धाम से मनाया जाएगा घर घर विराजेंगे भगवान श्री गणेश प्रर्यावरण को बचाने एवं स्वदेशी अपनाओ ने के लिए जन अभियान परिषद मेघनगर द्वारा एक दिवसीय मिट्टी सिद्ध गणेश प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया शिविर का शुभारंभ भाजपा नेता मुकेश मेहता मण्डल अध्यक्ष रुपसिंह भुरीया अशोक बसेर केलाश सहलोद भुपेंद्र बरमण्डलीया भारती सोनी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया शिविर का सम्बोधित करते हुए मुकेश मेहता ने कहा कि मिट्टी से बने गणेश प्रतिमा को स्थापित कर विसर्जन हम घर पर ही कर सकते हैं जिस से हम स्वदेशी अपनाओ कर स्वदेशी कि संदेश दे सकते है प्रशिक्षण प्राप्त कर मिट्टी के गणेश बनाना सिखले शिविर में मंडल अध्यक्ष रुप सिंह भूरिया अशोक बसेर केलाश सहलोद भुपेंद्र बरमण्डलीया भारती सोनी जन अभियान के जिला ब्लाक समन्वय सहित बड़ी संख्या मे प्रशिक्षत उपस्थित थे...

पशुओं का धरकपड़ अभियान चलाया

नपा कर्मियों और पशु मालिकों के बीच हो रही नोकझोक

झाबुआ। नगरपालिका अध्यक्ष कविता सिंगार, उपाध्यक्ष लाखनसिंह सोलंकी एवं सीएमओ मिलन पटेल के निर्देश पर नगरपालिका की स्वच्छता एवं लोक निर्माण शाखा द्वारा 2-3 दिनों से शहर के मुख्य बाजारों, कॉलोनियों, गली-मौहल्लों और हाईवे मार्ग पर विचरण करने वाले पशुओं की धरपकड़ का अभियान चलाया जा रहा है। पशुओं को पकड़कर गौशाला भिजवाया जा रहा है। इस बीच नपा के कर्मचारियों के साथ पशु मालिकों की तीखी नौकझौक एवं बहस भी हो रहीं है। नपा द्वारा यह धरपकड़ अभियान लोक निर्माण शाखा प्रभारी सब इंजनियर धीरेन्द्र रावत तथा स्वच्छता शाखा प्रभारी टोनी मलिया के नेतृत्व में दोनो शाखाओं के कर्मचारियों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। सड़कों पर विचरण करने वाले एवं मुख्य बाजारों और तिराहो-चौराहों तथा

हाईवे मार्ग पर झुंड बनाकर घुमने वाले पशुओं को नपा टीम द्वारा पकड़कर पशु वाहन से समीपस्थ लक्ष्मीनगर स्थित सद्गुरू गौशाला एवं चारोलीपाड़ा स्थित श्रीकृष्ण गौ-सेवा सदन में छोड़ा जा रहा है। पशुओं के सड़कों पर खुलेआम विचरण से वाहन चालकों के साथ होने वाली दुर्घटनाएं एवं आपस में झगड़ाने से नुकसान के दृष्टिगत नपा टीम का यह अभियान आगामी दिनों में भी सख्ती से जारी रहेगा।

नपा कर्मियों और पशु मालिकों के बीच बहस नगरपालिका के अमले ने पिछले 3 दिनो में अभियान चलाकर करीब 12-13 गायों को पकड़ा, लेकिन उनमें से 8 गायों को पशु मालिकों ने अपना स्वामित्व जताते हुए छुड़वाने के लिए पहुंचे गए और नपा कर्मचारियों से तीखी नौकझौक, बहस भी की। वहीं नेतागिरी करते हुए संबंधित वार्डों के पार्षदों को फोन लगाकर गायों को छोड़ने हेतु कर्मचारियों पर जबरन दबाव बनाया गया।

उल्लेखनीय है कि पशु मालिक लापरवाहीपूर्वक गायों को अपने घरों पर बांधकर रखने की बजाय बाजार में विचरण के लिए खुले रूप से छोड़ देते है। जिनके कारण अक्सर दो पहिया वाहन चालकों के साथ बड़े वाहन चालक भी चोटिल होते है। पूर्व में तो इस कारण कई दो पहिया वाहन चालकों की मृत्यु भी हो चुकी है। बावजूद इसके पशु मालिक लापरवाही बरत रहे है और पशुओं को पकड़कर गौशाला छोड़ने पर नपा कर्मचारियों से विवाद किया जा रहा है। इससे नगरपालिका दल के कर्मचारियों में भी तीव्र आक्रोश है। पिछले 3 दिनों में 3-4 गायों को चारोलीपाड़ा गौशाला भिजवाने के साथ 8 गायों को पशु मालिकों ने दबाव बनाकर छुड़वाया है। धरपकड़ अभियान में नितेश रमेश, सचिन कालिया, विजय बाबुलाल, सूरज मनिया आदि सराहनीय सहयोग प्रदान कर रहे है।

अभाविप ने विभिन्न मांगों को लेकर कॉलेज प्राचार्य के नाम सौंपा ज्ञापन, दी चेतावनी

झाबुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झाबुआ द्वारा 19 अगस्त को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य के नाम महाविद्यालय के विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। परिषद के जिला संयोजक अजय भूरिया ने बताया कि महाविद्यालय में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को पुस्तके वितरित की जाएं, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन करने में कोई समस्या न हो। महाविद्यालय में पेयजल हेतु लगा वाटर कूलर हमेशा ख़राब होता रहता है, नया वाटर कूलर लगाया जाए ताकि विद्यार्थियों को पानी की समस्या ना हो। महाविद्यालय में अध्यनरत सभी विद्यार्थियों को परिचय पत्र उपलब्ध करवाए जाए, जिससे महाविद्यालय में बाहरी आने जाने वाले लोगों पर अंकुश लगेगा। महाविद्यालय की सभी कक्षाओं एवं महाविद्यालय परिसर में नियमित साफसफाई की जाएं। प्रांत कार्यकारिणी सदस्य संजय परमार ने बताया कि नए सत्र 2025-26 की समस्त कक्षाओं की समय सारणी (टाइम टेबल) सूचना पटल पर लगाया जाए। महाविद्यालय की सभी कक्षाएं रेगुलर समय अनुसार लगाई जाए।

सभी मांगों को अतिशीघ्र पूरा किया जाए

ज्ञापन का वाचन नगर मंत्री अमित चौहान ने किया। संगठन ने ज्ञापन में सभी मांगों को अतिशीघ्र पूरा करने की मांग रखी। समस्याओं का समाधान नहीं होने पर विद्यार्थी परिषद् ने उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की रहेगी।

पर्यूषण पर्व के प्रथम दिन मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए लगी भीड़

झाबुआ। स्थानीय श्री ऋषभदेव बावन जिनालय में चातुर्मास अंतर्गत विराजित परम् पूज्य साध्वी श्री रत्नरेखा श्रीजी, श्री अनुभवदृष्टा श्रीजी एवं श्री कल्पदर्शिता श्रीजी मसा की पावन निश्रा में 20 अगस्त से पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रात:काल भक्तामर स्त्रोत एवं गुरू गुण इक्कीसा पाठ किया गया। पर्व के प्रथम दिन बावन जिनालय के साथ शहर के पांचों जिनालय श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर, दादावाड़ी गणधर मंदिर, दिलीप गेट स्थित महावीर बाग, कृषि उपज मंडी स्थित श्री गौड़ी पार्श्वनाथ मंदिर एवं रंगपुरा स्थित जैन मंदिर में अलसुबह से ही समाजजनों की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ देखने को मिली, जो दिनभर बनी रहीं। श्री संघ अध्यक्ष संजय मेहता ने बताया कि भक्तामर स्त्रोत एवं गुरू गुण इक्कीसा पाठ में समाज के वरिष्ठजनों में हुक्मीचंद छाजेड़, सोहनलाल कोठारी, विनोद नाहटा, रतनलाल दयड़ा, महेश जैन, तेजप्रकाश कोठारी, संदीप मेहता आदि उपस्थित रहे। सुबह 9 बजे साध्वी रत्नरेखा श्रीजी आदि ठाणा के प्रवचन हुए। जिसमें साध्वी रत्नरेखा श्रीजी मसा द्वारा पर्यूषण पर्व पर रचित सुंदर

आत्म शुद्धि का पर्व है पर्यूषण

साध्वी श्री कल्पदर्शिता श्रीजी मसा ने कहा कि हम सभी आत्मा साधना के पथ पर निरंतर आगे बढ़े। पर्यूषण आत्म शुद्धि का पर्व है। यह पर्व प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव भगवान एवं अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामीजी के शासनकाल में मनाया गया था। यह पर्व निवृत्ति एवं आत्म संधि की साधना है। इन दिनों में हमे अधिक से अधिक धर्म-आराधना में लीन रहना है। इस अवसर पर युवा विपुल जैन द्वारा आठ उपवास के प्रत्याख्यान लिए गए। कई श्रावक-श्राविकाओं ने बढ़-चढ़कर एकासना, उपवास, आयंबिल के पच्चखान लिए।

स्तवन गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आपने बताया कि पर्व के दौरान समाजजन प्रतिदिन सामायिक, प्रतिक्रमण करने के साथ अधिकाधिक जप, तप एवं आराधना कर अपने जीवन को धन्य बनाएं। पर्यूषण पर्व को पर्वाधिराज महापर्व कहा गया है। इस दौरान की गई जप, तप एवं आराधना से अनंत गुना लाभ प्राप्त होता है।

एक नजर — इंदौर में अपर कलेक्टर रहते लोकायुक्त ने डॉ. बेडेकर पर एफआईआर दर्ज की थी

कलेक्टर डॉ. अभय बेडेकर पर एफआईआर दर्ज कराने हेतु सेशन न्यायालय में दायर किया निजी परिवाद

नवभारत न्यूज

आलीराजपुर। पत्रकारिता पर हुए बर्बर प्रहार और प्रशासनिक शक्ति के दुरुपयोग के विरुद्ध नेता प्रतिपक्ष, नपा परिषद, आलीराजपुर व वरिष्ठ पत्रकार एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधि विक्रम सेन ने कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर और अन्य सह-अभियुक्तों के खिलाफ़ निजी परिवाद दायर कर ऐतिहासिक कानूनी जंग छेड़ दी है। यह प्रकरण जिले ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की नौकरशाही में भूचाल ला सकता है।

इस परिवाद में आरोपी हैं - डॉ. अभय बेडेकर - कलेक्टर, आलीराजपुर व अन्य अर्धधिकारी के खिलाफ, परिवाद में दर्ज धाराएँ भ्रष्टाचार और प्रेस स्वतंत्रता पर हमला सिद्ध करती हैं।

मुख्य धाराएँ : भारतीय न्याय संहिता 2023= धारा 175(3), 198, 201, 257, 258, 318(3), 335, 336(1)(2)(4), 338, 340(1)(2), 351(1)(2)(3), 356(1)(2), 409, 420, 467, 468, 471, 500, 120B

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988= धारा 7, 13(1)(d), 13(2) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000= धारा 66, 72

जिला बदर प्रतिवेदन में घोर विसंगतियाँ- कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में 14 प्रकरणों का उल्लेख है। इनमें से —

10 प्रकरणों में सन् 2010 में ही दोषमुक्ति (*Acquittal*) हो चुकी है।

1 फर्जी मैसेज आधारित प्रकरण में क्लोचर रिपोर्ट पुलिस ने प्रस्तुत कर दी थी।

अन्य दो प्रकरण भी मैसेज पर आधारित होकर निराधार, तथ्यहीन और खारिज योग्य हैं। एक सन 2017 से इंदौर न्यायालय में लंबित हैं। 8 साल में 4 गवाह भी इसमें नहीं आए हैं। गुजरात सीमा में लादे गए फर्जी प्रकरण में आज दिनांक तक चालान तक पेश नहीं हुआ हैं। उपरोक्त तीन में से दो प्रकरण हाईकोर्ट में खात्मा हेतु दायर हैं। दुर्भाग्य पूर्ण पहलू यह है कि एक मैसेज का प्रकरण भी डॉ अभय बेडेकर ने स्वयं पत्र लिखकर एक सत्य समाचार पर आपत्ति लेकर दर्ज कराया है।

विगत 17 वर्ष में इन तीन में से एक भी प्रकरण पर जिले की किसी भी न्यायालय ने चार्ज तक आरोपित नहीं किया है।

फिर भी इन्हें सक्रिय अपराध बताकर कलेक्टर ने कूट रचित साजिश रचते हुए रिपोर्ट में विचाराधीन बताते हुए शामिल किया हैं। यह सीधे-सीधे 4 (अनुच्छेद 20(2)) और विधिक प्रक्रिया का उपहास है।

न्यायिक मिसालें मुख्य बिदुं

=

(एमपीएससी 2011) - पुराने या खारिज प्रकरणों के आधार पर जिला बदर आदेश टिक नहीं सकता।, , 1981) - मालाफाइड आदेश अनुच्छेद 14 व 21 का उल्लंघन है।

पत्रकारिता पर हमला :

1000 करोड़ की रियासतकालीन शाही पुश्तैनी संपत्तियों और जन धरोहर के नामांतरण घोटाले का पर्दाफाश करने से बौखलाकर कलेक्टर ने वरिष्ठ पत्रकार विक्रम सेन को जिला बदर कर दिया।

यह कार्रवाई न केवल प्रेस स्वतंत्रता का दमन है, बल्कि भारतीय संविधान के —अनुच्छेद 19(1)(ड्ड) (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता),, अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 21 (जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता) का खुला उल्लंघन है।

प्राथमिक कारण - ?

1000 करोड़ का नामांतरण घोटाला विक्रम सेन ने दस्तावेज़ों सहित उजागर किया कि आलीराजपुर की ऐतिहासिक धरोहर और शाही संपत्तियों की संदिग्ध वसीयत का नामांतरण महज़ 16 दिन में कर दिया गया। यह कार्रवाई पचासों आपत्तियों और दर्जनों दस्तावेज़ों की अनदेखी कर अनियमिता से की गई। सेन ने इसके समाचार प्रकाशित किए और कलेक्टर की भूमिका को बेनकाब किया। इसी प्रतिशोध में जिला बदर की कार्रवाई की गई।

जुलाई 2023 - इंदौर अपर कलेक्टर रहते लोकायुक्त ने डॉ. बेडेकर पर एफआई आर दर्ज की थी (प्रशासनिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप)।

आलीराजपुर शाही परिवार ने भी बेडेकर के विरुद्ध भ्रष्टाचार संबंधी आवेदन, दस्तावेज़ और पेन ड्राइव लोकायुक्त में प्रस्तुत किया।,

कलेक्टर डॉ. अभय बेडेकर द्वारा विक्रम सेन पर थोपे गए आरोप पूर्णतः मनगढ़ंत, दुर्भावनापूर्ण और असंवैधानिक हैं।

यह कार्रवाई पत्रकारिता की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था पर सीधा हमला है। इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार विक्रम सेन ने कहा कि यह केवल मेरी लड़ाई नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र और स्वतंत्र पत्रकारिता की लड़ाई है।